

सेवा म्हारी मानो जी गणपति देवा भजन लिरिक्स



सेवा म्हारी मानो जी गणपति देवा,
खोलो म्हारा हिरदा रा ताला जी।bd।

जल चढ़ाऊँ देवा नहीं है अच्छूता,
जल ने तो मछियां बंटा लिया है जी,
सेवा म्हारी मानों जी।bd।

फूल चढ़ाऊँ देवा नहीं है अच्छूता,
फूलाँ ने भँवरा बंटा लिया है जी,
सेवा म्हारी मानों जी।bd।

दूध चढ़ाऊँ देवा नहीं है अच्छूता,
दूध ने बछड़ा बंटा लिया है जी,
सेवा म्हारी मानों जी।bd।

भोजन चढ़ाऊँ देवा नहीं है अच्छूता,
भोजन तो मक्खियां बंटा लिया है जी,
सेवा म्हारी मानों जी।bd।

शीश चढ़ाऊँ देवा नहीं है अच्छूता,
शीश तो शक्ति बंटा लिया है जी,
सेवा म्हारी मानों जी।bd।

दोय कर जोड़ जती गोरख बोले,
शब्द चढ़ाऊँ देवा यही है अच्छूता,
सेवा म्हारी मानों जी।bd।

खोलो म्हारा हिरदा रा ताला जी।bd।



गायक – जगदीश बेरवा ।
चारभुजा साउंड जोरावरपुरा ।
9460405693

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>